Press Note

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने **NDMC** के साथ मिलकर सेंट्रल पार्क राजीव चौक, कनॉट प्लेस में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चलने वाले आजादी के जश्न का शुभारंभ किया

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और संसद सदस्य (14वीं और 15वीं लोक सभा), श्री नवीन जिंदल ने आज सेंट्रल पार्क, राजीव चौक, कनॉट प्लेस में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक हफ्ते तक चलने वाले आजादी के जश्न का शुभारंभ किया।

आजादी का यह जश्न स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त तक जारी रहेगा और इस दौरान सेंट्रल पार्क में कुछ दर्शनीय आतिशबाजी, राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ी प्रदर्शनी और फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा और प्रसिद्ध संगीतकार, सिद्धार्थ मोहन द्वारा संगीतमयी प्रस्तुति प्रस्तुत की जाएगी। इस जश्न के क्रम में मंगलवार, 12 अगस्त, को राजपुताना राइफल का बैंड अपनी धुन का शानदार प्रदर्शन करेगी।

7 मार्च, 2014 को श्री नवीन जिंदल ने **दिल्ली में सबसे ऊंचे फ्लैग पोल** पर **देश का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज** फहराया था। यह ध्वज **सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस** में 207 फीट की ऊंचाई पर फहराया गया है। इस विशाल झंडे की चौड़ाई, लंबाई, 60X90 और वजन 35 किलोग्राम है।

सेंट्रल पार्क में विशाल आकार ध्वजारोहण फ्लैग फाउंडेशन इंडिया की उस पहल का हिस्सा है जिसका मकसद युवा भारतीयों को तिरंगे का गर्व के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना और नागरिकों में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना जागृत करना है।

ये स्मारकीय झंडे मुंबई में निर्मित 'डेनियर पॉलिएस्टर' नाम के बुने हुए पॉलिएस्टर कपड़े से बनाए गए हैं। झंडे पर *चक्र* को एक खास प्रक्रिया का इस्तेमाल करके छापा गया है।

भारत में स्मारकीय फ्लैग पोल की अवधारणा की परिकल्पना और प्रारंभ फ्लैग फाउंडेशन के फाउंडर, श्री नवीन जिंदल ने 23 जनवरी, 2009 में किया था। पहला 207 फीट ऊंचा स्मारकीय फ्लैग पोल कैथल, हरियाणा में स्थापित किया गया था, इस तरह की ऊंचाई पर फहराए जाने वाले विशाल आकार ये ध्वज 'स्मारकीय ध्वज' कहलाते हैं, इन्हें कभी नीचे नहीं उतारा जाता और सूर्यास्त होने के बाद भी पर्याप्त रोशनी करके रोशन रखा जाता है। यह शुरूआत गृह मंत्रालय के 23 दिसंबर, 2009 के उस नीतिगत निर्णय के बाद हुई, जिसमें राष्ट्रीय ध्वज को पर्याप्त रोशनी के साथ 100 फीट या उससे अधिक ऊंचाई पर दिन और रात में फहराने की अनुमति दी गई है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने देश में अब तक ऐसे 100 फीट ऊंचे 40 और 207 फीट ऊंचे 12 स्मारकीय फ्लैग पोल स्थातित किए हैं। फाउंडेशन ने अब तक देश में कुल मिला कर 52 स्मारकीय फ्लैग पोल स्थापित किए हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है, दुनिया के किसी भी देश में इतनी संख्या में स्मारकीय फ्लैग पोल नहीं हैं। भारत के अलावा, ऐसे 13 देश और हैं जिनके पास इस तरह के स्मारकीय फ्लैग पोल हैं।

स्मारकीय झंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें:
http://www.flagfoundationofindia.in/monumental-flags.html

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के बारे में

सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1980 के तहत जुन, 2003 में एक लाभ–निरपेक्ष निकाय के रूप में फ्लैग फाउंडेशन इंडिया की स्थापना एक रजिस्टर्ड सोसाइटी के रूप में की गई थी और यह माननीय संसद सदस्य, श्री नवीन जिंदल की एक दशक लंबी चली कानूनी लड़ाई जीतने के बाद संभव हो पाया था, जब सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले सुनाया था जिसने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान, गरिमा और गर्व के साथ फहराने के अधिकार को प्रत्येक भारतीय नागरिक का मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया था।

श्री नवीन जिंदल ने इस फैसले से प्रेरित होकर ***'फ्लैग फाउंडेशन इंडिया'*** की स्थापना की, जिसका मकसद ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अत्यंत गर्व के साथ तिरंगे के प्रदर्शन को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रेरित करना था। हमारा तिरंगा हमारी 'विविधता में एकता' का महान प्रतीक है। यह एक दशक से अधिक समय से काम कर रहा है और इसका उद्देश्य झंडे के आजादी से प्रयोग और प्रदर्शन के जरिये राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रवाद, देशभक्ति और प्रेम की भावना को बल प्रदान करना है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया नागरिकों में राष्ट्रवाद की भावना को पुनः जागृत करने का एक ईमानदार प्रयास है। यह युवाओं का तिरंगे के साथ एक खास रिश्ता जोड़ने की दिशा में एक प्रयासभर है ताकि यह आजादी के लिए हमारे संघर्ष का शक्तिशाली प्रतीक बन सकें और दुनियाभर में फैले असंख्य भारतीयों के बीच प्रेरणा के महान स्रोत की भूमिका अदा कर सकें और प्रत्येक भारतीय, चाहे जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, वे उसमें देश के लिए गौरव हासिल करें।

आम जनता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के अपने प्रयास के क्रम में फाउंडेशन ने इस विषय पर चर्चाएं आयोजित की हैं और इसने झंडे से जुड़ी जानकारी देने के लिए पुस्तकें जारी की हैं तथा भारत के प्रख्यात गायकों द्वारा गाए देशभक्ति गीतों के ऑडियो कैसेट निकाले हैं। फ्लैग फाउंडेशन ने दिल्ली और हरियाणा में कई तिरंगा दौड़ का भी आयोजन किया है।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के बारे में देखें:- http://www.flagfoundationofindia.in/